ज्ञानदीप

भारत सरकार
रेल मंत्रालय
भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे – 411 001
(आई. एस. ओ. : 9001-2008 प्रमाणित भारतीय रेल का प्रथम केंद्रीकृत प्रशिक्षण संस्थान)

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन
To Beam As A Beacon of Knowledge

Government of India
Ministry of Railways
INDIAN RAILWAYS INSTITUTE OF CIVIL ENGINEERING PUNE 411001
(Indian Railways First ISO-9001-2000 Certified Centralized Training Institute)

संस्थान – डी ओ टी (020) 26127951, 26123680
रेलवे – 55222, 55862

छात्रावास – डी ओ टी (020) 26130579, 26126816, 26121669
रेलवे – 53101, 53102, 253103

फैक्स: 020-26128677 रेलवे: 55860
ई–मेल: mail@iricen.gov.in
वेब साइट : www.iricen.gov.in

वर्ष – 18 | अंक – 70 | जुलाई – सितंबर 2014

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन To Beam as a Beacon of Knowledge

सभी पाठकों को इरिसेन परिवार की ओर से दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

इस अंक में

1. स्वतंत्रता दिवस समारोह
2. अचीवर सीरीज लेक्चर
3. इरिसेन छात्रावास में रक्तदान शिविर
4. स्वच्छ भारत मिशन
5. राजभाषा सप्ताह का आयोजन
6. मुख्य पुल इंजीनियरों का सेमिनार
7. मुख्य इंजीनियर/ट्रैक मशीन का सेमिनार
8. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 124वीं बैठक
9. पाठक मंच की बैठक
10. स्वागत
11. विदाई
12. समेकित पाठ्यक्रम में उत्कृष्ट अधिकारी
13. निकट भविष्य में आयोजित विशेष पाठ्यक्रम
14. सृजन (कविता)

1. स्वतंत्रता दिवस समारोह



संस्थान में 15 अगस्त, 2014 को स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में निदेशक श्री विश्वेश चौबे ने ध्वजारोहण किया। राष्ट्रगान के उपरांत निदेशक महोदय ने उपस्थित समूह को संबोधित किया। अपने संबोधन में निदेशक महोदय ने बताया कि प्रधानमंत्री ने देश को संबोधित करते हुए देशवासियों को स्वच्छ भारत बनाने का संकल्प लेने के लिए प्रेरित किया। आपने अपने संबोधन में संस्थान की प्रगति पर भी प्रकाश डाला।

संबोधन के उपरांत संस्थान के प्रांगण में सभी अधिकारियों/प्रशिक्षु अधिकारियों/परिवार के सदस्यों बच्चों एवं कर्मचारियों के लिए खेलकूद के कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। प्रथम बार आयोजित इस खेलकूद कार्यक्रम में सभी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। खेलकूद में रस्सा खींचना, म्युजिकल चेयर एवं बच्चों के लिए विशेष रूप से खेल का आयोजन किया गया था।

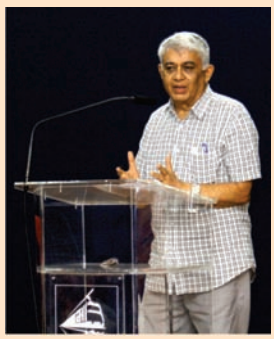


श्रीमती अनीता चौबे महोदया ने खेलकूद प्रतियोगिता में भाग लिए प्रतियोगियों में से विजित प्रतियोगियों को पुरस्कार प्रदान किए।

समारोह के अंतिम चरण में देश भक्ति से ओतप्रोत गीतों से सजा एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था जिसमें संस्थान के प्रशिक्षु अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अपना योगदान दिया। कार्यक्रम के उपरांत निदेशक महोदय ने कर्मचारियों को पुरस्कार प्रदान किए।



2. अचीवर सीरीज लेक्चर



संस्थान में दिनांक 23 जुलाई, 2014 को अचीवर सीरीज लेक्चर के लिए सेवानिवृत्त, अध्यक्ष रेलवे बोर्ड श्री एम रविन्द्रा को आमंत्रित किया गया था। आपने अपने ज्ञान को इरिसेन के संकाय एवं प्रशिक्षु अधिकारियों के बीच साझा किया। आपने बताया कि संस्थान से मेरा नाता भावनात्मक रहा है। हमने इरिसेन के साथ एक लंबा सफर तय किया है। आपने इरिसेन की स्थापना एवं इसके विकास पर प्रकाश डाला। आपने बताया कि रेलपथ विषय इंजीनियरिंग कॉलेजो में नहीं पढ़ाया जाता था। अत: रेलवे इंजीनियरों को पढ़ाने के लिए 'रेलपथ प्रशिक्षण शाला' की स्थापना सन् 1959 में हुई।

श्री आर. पी. लाल इस प्रयोजन के लिए 1958 में विशेष रूप से पुणे आए। पुणे आने के पहले श्री लाल उत्तर पश्चिम रेल के उस हिस्से में कार्यरत थे, जो अब पाकिस्तान में है। पुणे आने के पश्चात श्री लाल ने पुणे स्टेशन के पास एवं कोरेगांव पार्क में खाली इमारतों में प्रशिक्षण शाला की स्थापना की। जिस स्थान पर तत्कालीन छात्रावास का प्रबंध किया गया था वहां अब मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय स्थित है।

संरक्षक
विश्वेश चौबे
निदेशक
भा.रे.सि.इं.सं.पुणे

मुख्य संपादक
शरद कुमार अग्रवाल
उप मुख्य राजभाषा अधिकारी
एवं प्राध्यापक, पुल

संपादक
अरुणाभा ठाकुर
वरिष्ठ अनुवादक

श्री रविन्द्रा ने अपनी चर्चा में बताया कि इस संस्थान में शुरुआत में एक ही पाठ्यक्रम चलाया जाता था बाद में वरिष्ठ अधिकारियों के लिए भी पाठ्यक्रम चलाया गया। श्री रविन्द्रा ने बताया कि इस संस्थान से उन्हें तकनीकी ज्ञान प्राप्त हुआ जिससे उनके कैरियर को बढ़ावा मिला। रेलवे कैरियर में बीते पलों को याद करते हुए आपने श्री भास्करन एवं श्री पद्मनाभन जैसे आइकॉन को याद किया। आपने 1961 में रेलवे ज्वाइन किया था उस दौरान असम को भारतीय रेल से जोड़ने के लिए एक परियोजना बन रही थी। आपको इस असम रेल लिंक परियोजना में काम करने का अवसर मिला। आपने नए प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए स्वर्णिम भविष्य की कामना की।

3. इरिसेन छात्रावास में रक्तदान शिविर



इरिसेन छात्रावास में दिनांक 20 सितंबर, 2014 को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर इरिसेन के संकाय तथा उनके परिवार के सदस्य, प्रशिक्षु अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने रक्तदान किया। रक्तदान शिविर का आयोजन के.ई.एम. अस्पताल पुणे के तत्वाधान में किया गया था। रक्तदान का उद्देश्य लोगों में सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरुकता पैदा करना होता है।

4. स्वच्छ भारत मिशन



दिनांक 02 अक्टूबर, 2014 को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा सभी सरकारी विभागों में स्वच्छ भारत मिशन की कार्रवाई के अंतर्गत दिनांक 02 अक्टूबर, 2014 को निदेशक श्री विश्वेश चौबे ने इरिसेन के सभी संकाय, प्रशिक्षु अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई।



हरियाली के लिए प्रसिद्ध, कोरेगांव पार्क क्षेत्र के अंतर्गत अवस्थित भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान एवं छात्रावास के प्रांगण में स्वच्छ भारत मिशन अभियान के तहत वृक्षारोपण का कार्यक्रम रखा गया था। निदेशक, संकाय सदस्य, प्रशिक्षु अधिकारी एवं कर्मचारियों ने बड़े उत्साह के साथ वृक्षारोपण कार्यक्रम में हिस्सा लिया।



प्रशिक्षु अधिकारियों को सामाजिक एवं व्यक्तिगत जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में नैतिकता एवं आदर्श आचार व्यवहार का महत्व समझाने के लिए भारतीय कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग द्वारा प्रचारित सामग्री में से एक विडियो फिल्म (इंडिया आई केयर) का प्रदर्शन भी किया गया।

5. राजभाषा सप्ताह का आयोजन



भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, (इरिसेन) पुणे में दिनांक 11 से 17 सितंबर, 2014 तक राजभाषा सप्ताह का आयोजन किया गया। दिनांक 11 एवं 12 सितंबर को निबंध, वाक्, टिप्पण एवं आलेखन तथा कंप्यूटर पर टायपिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। दिनांक 15 सितंबर को श्री विश्वेश चौबे, निदेशक, इरिसेन, पुणे द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ राजभाषा सप्ताह का विधिवत उद्घाटन किया गया। अपने उद्घाटन भाषण में निदेशक महोदय ने राजभाषा की प्रगति एवं विकास पर अपने विचार रखे। संस्थान के उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक/पुल ने भी राजभाषा हिंदी के संबंध में अपने विचार प्रस्तुत किए। उद्घाटन समारोह के अवसर पर श्री श्याम खोचे, सह प्राध्यापक, श्री अनंत वी. दसरे, सीनियर सेक्शन अनुदेशक एवं छात्रावास के कर्मचारी अफजल निजामी ने स्वरचित हिंदी कविताओं का पाठ किया। तदनंतर सामान्य ज्ञान पर आधारित सर्वाधिक लोकप्रिय प्रश्न–मंच का आयोजन किया गया।



दिनांक 16 सितंबर 2014 को सी–डैक, पुणे के सौजन्य से इरिसेन प्रांगण में एक बहुउपयोगी कार्यशाला का आयोजन किया गया। सी–डैक, पुणे के राजभाषा अधिकारी श्री प्रभाकर पांडे एवं उनकी टीम ने सी–डैक द्वारा विकसित राजभाषा हिंदी के विभिन्न सॉफ्टवेयरों का इस कार्यशाला में डेमो दिया।



दिनांक 17 सितंबर, 2014 को राजभाषा सप्ताह के समापन के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में निदेशक, इरिसेन श्री विश्वेश चौबे ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पुरस्कार प्रदान किए। हिंदी में अधिकाधिक कार्य करने हेतु अधिकारी वर्ग में श्री एन. आर. काले, व्याख्याता/कार्य को तथा कर्मचारी वर्ग में सहा. ग्रंथपाल श्रीमती नेहा सप्तर्षि तथा वरिष्ठ अनुदेशक/रेलपथ श्री राजदीप शर्मा को यह पुरस्कार मिला। निबंध प्रतियोगिता के विषय 1. पर्यावरण असंतुलन का परिणाम जल संकट–'जल बचाएं कल बचाएं' 2. 'किशोरों का सामाजिक दायित्व – हिंसा और उच्छृंखलता ?' रखे गए. निबंध प्रतियोगिता में प्रथम – छात्रावास कर्मचारी श्री अफजल निजामी, द्वितीय – छात्रावास अधीक्षक श्री अतुल घोडेकर तथा तृतीय स्थान पर सहा. ग्रंथपाल श्रीमती नेहा सप्तर्षि रहीं। वाक प्रतियोगिता के विषय थे – 'आज के झूलाघर कल के वृद्धाश्रम' तथा 'किसान – उद्योग प्रबंधक या शोषित वर्ग'। वाक्



प्रतियोगिता में प्रथम रहे वरिष्ठ अनुदेशक/कार्य श्री अनंत दसरे, द्वितीय छात्रावास अधीक्षक श्री बी. जी. घाटे तथा तृतीय स्थान पर वरिष्ठ अनुदेशक/ कार्य श्री सुनील पोफले रहे। उसी प्रकार टिप्पण एवं आलेखन प्रतियोगिता में प्रथम वरिष्ठ अनुदेशक/कंप्यूटर श्री ए.ए. निजामी, द्वितीय स्थान पर कार्यालय अधीक्षक श्री रोहिदास जागड़े तथा तृतीय स्थान पर दो प्रतियोगी सहायक ग्रंथपाल श्री शैलेंन्द्र प्रकाश एवं वरिष्ठ अनुदेशक/रेलपथ श्री प्रवीण कोटकर रहे। कंप्यूटर पर हिंदी टायपिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर दो प्रतियोगी कार्यालय अधीक्षक श्री रोहिदास जागड़े एवं कार्यालय अधीक्षक श्री आनंद कांबले रहे जबकि द्वितीय स्थान पर वरिष्ठ अनुदेशक/कंप्यू. श्री ए. ए.निजामी तथा तृतीय स्थान पर निजी सचिव विद्या जम्मा रहीं। हिंदी शिक्षण योजना के अंतर्गत हिंदी टायपिंग परीक्षा में अवर लिपिक श्री प्रवीण रासकर तथा कनिष्ठ अनुवादक श्रीमती अनुराधा उरसळ ने क्रमश: 97 एवं 98 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। राजभाषा सप्ताह के अवसर पर प्रत्येक को रु. 2400/- के नकद पुरस्कार प्राप्त हुए।



पुरस्कार वितरण के बाद सुप्रसिद्ध कवि, संपादक, लेखक एवं नाटककार श्री संजय भारद्वाज द्वारा कवि सम्मेलन का सफल मंचन किया गया। इस कवि सम्मेलन में 8 कवियों ने हिस्सा लिया। जिनमें से रेलवे में कार्यरत पांच कवि श्री वाइ. के. सिंह, जन संपर्क अधिकारी, रेल प्रबंधक कार्यालय, पुणे, श्री सुधीर दुबे, उप मुख्य इंजीनियर(सामान्य), पश्चिम रेल, चर्चगेट, श्री राजेश टैगोर, सीनियर



सेक्शन इंजीनियर, मुख्यालय मध्य रेल, मुंबई, श्री श्याम खोचे, सह प्राध्यापक, इरिसेन, पुणे एवं इरिसेन के कर्मचारी श्री अफजल अली निजामी और पुणे शहर के तीन सुप्रसिद्ध कवि श्री संजय भारद्वाज के अलावा श्री अनिल अब्रोल, श्री शर्देन्दु शुक्ल थे। सभी ने अपनी अपनी रचनाएं बड़े ही रोचक ढंग से प्रस्तुत की।

6. मुख्य पुल इंजीनियर का सेमिनार

इरिसेन पुणे में दिनांक 11 एवं 12 सितंबर, 2014 को मुख्य पुल इंजीनियरों के सेमिनार का आयोजन किया गया और महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। सेमिनार में विभिन्न क्षेत्रीय रेलों के 25 अधिकारी एवं रेलवे बोर्ड के अधिकारियों ने हिस्सा लिया। सेमिनार के दौरान निम्निलिखित प्रस्तुतीकरण दिए। मुख्या पुल इंजी./द. रेल द्वारा 'लिफ्टिंग आफ आरओबी सं 577 बी', कोलकाता; मेसर्स बीएएसएफ इंडिया लिमिटेड, पुणे द्वारा 'फाइबर रीइनफोर्सड पॉलीमेयर रिपेअर मेथडोलॉजी'; मुख्य पुल इंजी./द. पू. रेल द्वारा ब्रिज सं. 25 अप टाटानगर एवं आदित्यपुर स्टेशन के बीच चक्रधरपुर डिवीजन में सी एस आर हटाना'; आर एम इंटरनेशनल द्वारा 'एफआरपी कार्बन रेपिंग' मेसर्स पॉलीकॉम एडवान्स सिस्टम प्रायवेट द्वारा 'ए मेथड टू स्टेब्लिस्ट आफ रेलवे ब्रिज'। सेमिनार में कुछ मदों पर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।



7. मुख्य इंजीनियर/ट्रैक मशीन का सेमिनार

इरिसेन, पुणे में दिनांक 21 एवं 22 अगस्तं, 2014 को मुख्य इंजीनियर / ट्रैक मशीन का सेमिनार आयोजित किया गया जिसमें क्षेत्रीय रेलों के मुख्य इंजीनियर/ ट्रैक मशीन एवं रेलवे बोर्ड के अधिकारियों ने हिस्सा लिया। सेमिनार में निदेशक, इरिसेन श्री विश्वेश चौबे, एवं रेलवे बोर्ड के अधिकारियों ने प्रतिभागियों को संबोधित किया। सेमिनार के दौरान ट्रैक मशीन पर चर्चा की गई और प्रस्तुतीकरण दिए गए तथा महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए ।



8. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 124वीं बैठक

दिनांक 25 अगस्त, 2014 को संस्थांन में निदेशक महोदय के समिति कक्ष में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 124 वीं बैठक समिति के अध्यक्ष श्री विश्वेश चौबे, निदेशक, इरिसेन, पुणे की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में राजभाषा की प्रगति पर विचार विमर्श किया गया। श्री शरद कुमार अग्रवाल, उप मुख्य, राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक/पुल ने बैठक में सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए बताया कि प्रतिवर्ष सितंबर माह में 14 सितंबर के आसपास राजभाषा सप्ताह का आयोजन किया जाता है। जिसके अंतर्गत हिंदी को कार्यालयीन कामकाज में बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न प्रतियोगिताएं, प्रश्न–मंच एवं मनोरंजक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। तकनीकी क्षेत्र होने के बावजूद इरिसेन में काफी हद तक राजभाषा का प्रयोग हो रहा है।

अध्यक्ष महोदय ने अपने संबोधन में कहा कि हिंदी में काम करना आसान तब होता है जब हम बोलचाल वाली भाषा का प्रयोग करेते हों। हिंदी सामान्य भाषा है और इसमें अन्य भाषाओं के प्रचलित शब्दों को सरलता से अपनाते हुए भाषा को समृद्ध किया जा सकता है । 'ज्ञानदीप' के माध्यम से संस्थान के क्रियाकलापों की जानकारी संपूर्ण भारतीय रेल पर दी जाती है। सूचना तंत्र के युग में संचार माध्यम द्वारा आज सब कुछ सरलता से प्राप्त हो जाता है। वेबसाइट ऐसा ही एक माध्यम है जिसके द्वारा हम अपने संस्थान के संबंध में जानकारी पूरे विश्व को देते हैं। वेबसाइट पर दी जानेवाली जानकारी को निरंतर अपडेट करना होता है। इस ओर हमारा ध्यान अधिक देने की आवश्यकता है। राजभाषा सप्ताह के लिए सभी को शुभकामनाएं दी।



9. पाठक मंच की बैठक

इरिसेन के ग्रंथालय में दिनांक 18 जुलाई 2014 को पाठक मंच की बैठक का आयोजन किया गया। पाठक मंच की बैठक में इसबार लीक से हटकर विषय का समावेश किया गया था। पाठकगण को पहले ही बता दिया गया था कि इस बार मुहावरे एवं लोकोक्तियों का इस्तेमाल करते हुए कहानी के माध्यम से अर्थ स्पष्ट करना है। पाठकों ने बड़ी गर्मजोशी से मुहावरों एवं लोकोक्तियों के माध्यम से कहानियां बताईं। किसी ने गाल बजाना मुहावरे पर कहानी बताया तो किसी ने खयाली पुलाव पकाने पर कहानी सुनाई। पाठक मंच की बैठक बड़ी रोचक रही ।

10. स्वागत



श्री सुरेश पाखरे, प्राध्यापक/ट्रैक-2 ने दिनांक 25 सितंबर, 2014 को इरिसेन में कार्यभार ग्रहण कर लिया है। इरिसेन में आने से पूर्व आप मध्य रेल निर्माण संगठन मुख्यालय में उप मुख्य इंजी./निर्माण/कार्य के पद पर कार्यरत थे। श्री पाखरे भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग सेवा के 2000 बैच के अधिकारी हैं। आपने 2003 में सहा. मंडल इंजी./दौंड, पुणे मंडल के रूप में रेल सेवा में कैरियर की शुरूआत की। तदुपरांत आप वरि.सहा.मंडल इंजीनियर/अहमदनगर, सोलापुर तथा मंडल इंजीनियर मुख्यालय मध्य रेल, डीसी-एसी कन्वर्शन, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर मुंबई मंडल, उप मुख्य इंजीनियर निर्माण/दादर एवं उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण, पुणे इत्यादि पदों पर कार्य किया है। संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है।



श्री जी.सी.डी. कटाक्षम, वरिष्ठ अनुदेशक ने दिनांक 18 जुलाई, 2014 को इरिसेन में कार्यभार ग्रहण कर लिया है। इरिसेन में आने से पूर्व आप मध्य रेल पुणे मंडल पर यूएसएफडी संगठन प्रभारी के पद पर कार्यरत थे। आपने पुणे यार्ड के प्रभारी के रूप में भी कार्य किया है। संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है।



श्री वी. शशिकुमार, ने दि. 14 अगस्त, 2014 को संस्थान में सीनियर सेक्शन इंजीनियर/कार्य 3 के रूप में पदभार ग्रहण किया है। इसके पूर्व आपने दिनांक 09 दिसंबर, 2002 को आई.सी.एफ, चेन्नई में जूनियर इंजीनियर (कार्य) के रूप में रेल सेवा प्रारंभ की। आपने स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग में एम.टेक किया है। संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है।



श्री श्रवणलाल भील, ने दिनांक 24 जून, 2014 को इरिसेन में वरिष्ठ अनुदेशक/रेलपथ का कार्यभार ग्रहण कर लिया है। इरिसेन में आने से पूर्व आप वरिष्ठ सेक्शन इंजीनियर/रेलपथ, दौंड, पुणे मंडल के पद पर कार्यरत थे। श्री भील वरिष्ठ पर्यवेक्षक/रेलपथ, उरुली, मध्य रेल से रेल सेवा में कैरियर की शुरुआत की। तदुपरांत आपने कनिष्ठ इंजीनियर/रेलपथ उरुली, कनिष्ठ इंजीनियर/रेलपथ, दौंड, सीनियर सेक्शन इंजीनियर/दौंड इत्यादि पदों पर कार्य किया है। संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है।

11. विदाई



इरिसेन में सह प्राध्यापक के पद पर पदस्थ श्री श्याम खोचे दिनांक 30 सितंबर, 2014 को रेल सेवा से सेवा निवृत्त हो गए हैं। श्री खोचे सदा खुशमिजाज, संवेदनशीन, कलाप्रेमी, सजग एवं सहज व्यक्तित्व के धनी रहे हैं। आप संस्थान में अपनी सृजन क्षमता के कारण कवि के रूप में विख्यात रहे हैं। ज्ञानदीप में आपकी कविताएं छपती रही हैं। आपकी सेवानिवृत्ति पर संस्थान आपको शुभकामनाएं देता है और आपके दीर्घायु जीवन एवं अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता है।



इरिसेन में छात्रावास अधीक्षक के पद पर कार्यरत श्री अतुल घोड़ेकर ने दिनांक 30 सितंबर, 2014 को रेल सेवा से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ले ली है। श्री घोड़ेकर, कार्य के प्रति लगनशील एवं निष्ठावान रहे हैं। आप संस्थान के छात्रावास में अपनी प्रबंधन क्षमता के लिए विख्यात रहे हैं। आपकी सेवानिवृत्ति पर संस्थान आपको शुभकामनाएं देता है और आपके दीर्घायु जीवन एवं अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता है।

12. समेकित पाठ्यक्रम में उत्कृष्ट अधिकारी

सत्र सं. 14102 - समेकित पाठ्यक्रम

प्रथम



हेमंत कुमार शुक्ला
सहा.ब्रिज.इंजी./इलाहाबाद/उ.म.रे.

द्वितीय



राजेश कुमार तिवारी
स.मं.इंजी./कटनी/प.म.रे.

13. निकट भविष्य में आयोजित विशेष पाठ्यक्रम

क्र.	पा. सं.	पाठ्यक्रम का शीर्षक	प्रारंभ	समापन
1	14308	आईआरएसई 1988 बैच के लिए इरिसेन दिवस सेमिनार	31/10/14	01/11/14
2	14104	समेकित पाठ्यक्रम	03/11/14	22/01/15
3	14414	टीएमएस पर विशेष पाठ्यक्रम	03/11/14	07/11/14
2	14812	रेलपथ प्रबंधन पर विशेष प्रणाली पर विशेष पाठ्यक्रम	03/11/14	07/11/14
3	14205	वरिष्ठ प्रशसनिक श्रेणी पुनश्चर्या पाठ्यक्रम	10/11/14	19/12/14
4	14820	रेल व्हील इंटरेक्शन एंड डिरेलमेंट	10/11/14	21/11/14
5	14413	मार्डन सर्वेइंग	10/11/14	14/11/14
6	14415	अर्थक्रेक कम्पलेंट सहित ब्रिज डिजाइन सहायकों के लिए पाठ्यक्रम	17/11/14	05/12/14
7	14309	प्रधान मुख्य इंजीनियरों का सेमिनार	20/11/14	21/11/14
8	14006	आईआरएसई चरण 2(समूह -क्यू.)	24/11/14	29/01/15
9	14811	भूमि एवं भंडार प्रबंधन पर विशेष पाठ्यक्रम	24/11/14	28/11/14
10	14814	यांत्रिकीकृत रेलपथ अनुरक्षण एवं नवीकरण	01/12/14	12/12/14
11	14008	आईआरएसई परिचयात्मक पाठ्यक्रम	08/12/14	12/12/14
12	14007	आईआरएसई तैनाती परीक्षा	08/12/14	12/12/14
13	14815	ब्रिज निरीक्षण एवं अनुरक्षण	15/12/14	19/12/14
14	14816	रेल व्हील इंटरेक्शन एंड डिरेलमेंट इनवेस्टिगेशन	22/12/14	02/01/15

14. सृजन (कविता) परेशां करती यादें

यादें मुझे बहुत परेशान करती हैं
जब एक बालक खाकी नीकर में
सरकारी स्कूल कक्षा पांच में
अपनी ही मस्ती में जाता दिखता है

यादें मुझे बहुत परेशान करती हैं
उस बालक के युवा होने की दहलीज पर
सोलह सत्रह साल के उम्र में
विशेष अनुभूति लिए खड़ा दिखता है

यादें मुझे बहुत परेशानी करती हैं
नई गृहस्थी के बोझ उठाए
उस परेशां नौजवान की जिसमें
साहस व मिश्रित भय छुपा है

यादें मुझे बहुत परेशानी करती हैं
आनेवाले समय के कल्पना की
आने वाले जर्जर काया व बुढ़ापे की
आनेवाले अंतिम संघर्ष के समय की

यादें मुझे बहुत परेशानी करती हैं
बची हुई जवाबदारी और कामों की
बचे हुए उन प्रिय लोगों की
यादें मुझे बहुत परेशान करती हैं

श्री श्याम खोचे, से.नि./सह प्राध्यापक

जहां विज्ञान हमें बाहरी दुनिया के निर्माण में सहायता करता है। वहीं दर्शन हमारे नैतिक और आध्यात्मिक जीवन का निर्माण करता है।
- डॉ. राधाकृष्णन

शरद कुमार अग्रवाल, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक, पुल, भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे-1 द्वारा केवल सीमित निशुल्क वितरण हेतु प्रकाशित

Design & Printing By Kalyani Corporation, Pune-30. Tel. 24486080